

न्यायालय राजस्व मंडल, मध्य प्रदेश ग्वालियर
समक्ष

एम० के० सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 723-पी.बी.आर./ 2013 विरुद्ध आदेश
दिनांक 7-11-2012 पारित द्वारा - कलेक्टर, जिला विदिशा -
प्रकरण क्रमांक 08/12-13 अपील

सालिगराम पुत्र शेरसिंह दांगी
ग्राम करई बेरखेड़ी तहसील
कुरवाई, जिला विदिशा मध्य प्रदेश
विरुद्ध

---आवेदक

मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर विदिशा

---अनावेदक

(आवेदक के अभिभाषक श्री प्रेम सिंह ठाकुर)
(अनावेदक की ओर से कोई नहीं)

आ दे श

(आज दिनांक 20-10-2015 को पारित)

यह निगरानी कलेक्टर, जिला विदिशा द्वारा प्रकरण क्रमांक
08/ 12-13 अपील में पारित दि. 07-11-2012 के विरुद्ध मध्य
प्रदेश कृषि खातों की अधिकतम सीमा अधि. 1960 (यथा-संशोधित)
के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारोश यह है महिला बेनीवाई पत्नि स्वर्गीय
चित्तरसिंह द्वारा म.प्र. कृषि खातों की अधिकतम सीमा अधिनियम
1960 (यथा-संशोधित) के अंतर्गत बनाये गये नियमों में प्रारूप 'क'
में अनुविभागीय अधिकारी कुरवाई को कृषि भूमि धारण की विवरणी
प्रस्तुत की गई। विवरणी में बताया गया कि उसके द्वारा दिनांक
1.1.1971 से 7-3-1974 के बीच धारित भूमि 30.054 है। है।
विवरणी के भाग 3 'क' में बताया गया कि उसके द्वारा भूमि सर्वे
क्रमांक 417 रकबा 6.489 है। भूमि पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक
29-3-1973 से गजराज सिंह दांगी को विक्रय की है। यह विक्रय
1.1.1971 से 7-3-1974 के बीच का होने से क्रेता गजराज सिंह



को धारा 4(1) के अंतर्गत सूचना पत्र जारी किया गया। बार-बार सूचना पत्र भेजे जाने के बाद गजराजसिंह के अनुपस्थित रहने से अंतरिम आदेश दिनांक 7-12-88 से एकपक्षीय कार्यवाही की गई एवं जांच उपरांत प्रकरण क्रमांक 746 अ 90 (बी-3) 1974-75 में आदेश दिनांक 29.4.89 पारित किया गया तथा महिला बेनीवाई द्वारा 1-1-71 को धारित भूमि 30.054 हैक्टर में से बेनीवाई परिवार में अकेली होने से 12.140 है. भूमि धारण करने की पात्रता देते हुये 17.194 हैक्टर भूमि अतिशेष घोषित की गई। इस आदेश के विरुद्ध शेरसिंह एवं गजराज सिंह ने कलेक्टर विदिशा के समक्ष अपील क्रमांक 36/88-89 प्रस्तुत करने पर आदेश दिनांक 26-12-90 से अपील निरस्त हुई। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, भोपाल एवं होसंगावाद संभाग, भोपाल के समक्ष निगरानी क्रमांक 66/90-91 प्रस्तुत होने पर आदेश दिनांक 10-9-98 से दोनों अधीनस्थ न्यायालयों के आदेश निरस्त कर प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया गया कि प्रकरण में साक्ष्य लेकर निष्कर्ष निकाला जाय कि :-

1. क्या शेरसिंह से धारक बेनीवाईका विवाह हुआ था ?
2. क्या शेरसिंह एवं बेनीवाई से एक पुत्र दीवानसिंह उत्पन्न हुआ था ?
3. धारक की जो भूमि शेरसिंह के कब्जे में होना बताई गई है वह भूमि शेरसिंह को पारिवारिक व्यवस्था में प्राप्त हुई है अथवा अन्य प्रकार से और क्या शेरसिंह उक्त भूमि का स्वामी हो गया है या नहीं ?

अपर आयुक्त से प्रत्यावर्तन में प्रकरण प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी कुरवाई ने नवीन नंबर 01/अ-90 (बी-3) 2008-09 पर प्रकरण दर्ज कर हितबद्धों की सुनवाई की एवं पुर्नजांच उपरांत आदेश दिनांक 27 जुलाई 2012 पारित किया तथा महिला बेनीवाई का शेरसिंह से विवाह होना प्रमाणित न होने एवं दीवान सिंह उनका पुत्र होना न पाये जाने से दि.1-1-71 को धारित भूमि 30.054 हैक्टर

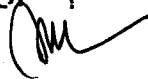


में से बेनीवाई परिवार में अकेली होने से 12.140 है. भूमि धारण करने की पात्रता देते हुये 17.194 हैक्टर भूमि अतिशेष घोषित की गई। इस आदेश के विरुद्ध कलेक्टर, विदिशा के समक्ष अपील करने पर प्रकरण क्रमांक 08/12-13 अपील में पारित दि. 07-11-2012 से अपील निरस्त की गई। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी की गई है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर आवेदक के अभिभाषक को सुना तथा अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

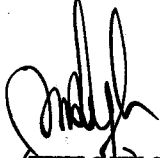
4/ आवेदक के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। प्रकरण में यह तथ्य निर्विवाद है कि अनुविभागीय अधिकारी ने प्रकरण क्रमांक 746 अ 90 (बी-3) 1974-75 में पारित आदेश दिनांक 29.4.89 से महिला बेनीवाई द्वारा 1-1-71 को धारित भूमि 30.054 हैक्टर में से बेनीवाई परिवार में अकेली होने से 12.140 है. भूमि धारण करने की पात्रता देते हुये उसकी 17.194 हैक्टर भूमि अतिशेष घोषित की गई है। इस आदेश के विरुद्ध शेरसिंह एवं गजराज सिंह ने कलेक्टर विदिशा के समक्ष अपील क्रमांक 36/88-89 प्रस्तुत करने पर आदेश दि. 26-12-90 से अपील निरस्त हुई। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, भोपाल एवं होसंगावादा संभाग, भोपाल के समक्ष निगरानी क्र. 66/90-91 प्रस्तुत होने पर आदेश दि. 10-9-98 से दोनों अधीनस्थ न्यायालयों के आदेश निरस्त कर प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया गया कि प्रकरण में साक्ष्य लेकर निष्कर्ष निकाला जाय कि :-

1. क्या शेरसिंह से धारक बेनीवाई का विवाह हुआ था ?
2. क्या शेरसिंह एवं बेनीवाई से एक पुत्र दीवानसिंह उत्पन्न हुआ था ?
3. धारक की जो भूमि शेरसिंह के कब्जे में होना बताई गई है वह भूमि शेरसिंह को पारिवारिक व्यवस्था में प्राप्त हुई है अथवा अन्य प्रकार से और क्या शेरसिंह उक्त भूमि का स्वामी हो गया है या नहीं ?



अनुविभागीय अधिकारी ने प्रकरण में पुर्नजांच की है एवं आवेदकगण को सुनवाई का एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिया है किन्तु आवेदक यह प्रमाणित करने में असमर्थ रहे हैं कि शेरसिंह का धारक बेनीवाई से विवाह हुआ है एवं इस विवाद से दीवानसिंह उत्पन्न हुआ है। अनुविभागीय अधिकारी कुरवाई द्वारा आदेश दिनांक 27-7-12 के पद 8 में विस्तृत विवेचना कर उक्त 3 बिंदुओं पर भलीभाँति निष्कर्ष दिया है। अनुविभागीय अधिकारी कुरवाई के आदेश दिनांक 27-7-12 के अवलोकन से एवं कलेक्टर विदिशा के आदेश दिनांक 7-11-12 के अवलोकन से दोनों अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा निकाले गये निष्कर्ष एकरूपता लिये है जिसके कारण दोनों अधीनस्थ न्यायालयों के आदेशों में हस्तक्षेप करना उचित नहीं पाता है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं कलेक्टर, जिला विदिशा द्वारा प्रकरण क्रमांक 08/12-13 अपील में पारित दिनांक 07-11-2012 यथावत् रखा जाता है।


(एम०के०सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल, म०प्र०ग्वालियर